



भारत का गज़त

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 183]

नई दिल्ली, सोमवार, अप्रैल 27, 1992/वैशाख 7, 1914

No. 183]

NEW DELHI, MONDAY, APRIL 27, 1992/VAISAKHA 7, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

है (व्यवस्था)

महालेखा नियंत्रक

अधिकृत

नई दिल्ली, 24 अप्रैल, 1992

सा.का.नि. 434(अ).——राज्यपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय सिविल लेखा सेवा (समूह "क") भर्ती नियम, 1977 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम भारतीय सिविल लेखा सेवा (समूह "क") भर्ती (संशोधन) नियम, 1992 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशित की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय सिविल लेखा सेवा (समूह "क") भर्ती नियम, 1977 में,—
(क) नियम 6 में उप-नियम (3) और उसके परन्तु के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

(3) सेवा में कुल कर्तव्य पदों का 33% प्रतिशत, छुट्टी, प्रशिक्षण और पर्यवेक्षणाधीन आरक्षित को छोड़कर

उपनियम (1) के खंड (ख) में यथानिर्दिष्ट प्रोत्तिहारा भर्ती जाएगा और शेष पद उपनियम (1) के खंड (क) में यथा उल्लिखित प्रतियोगी परीक्षा द्वारा भरे जाएंगे।

परन्तु यह कि सरकार आयोग के पूर्व अनुमोदन से उपनियम (1) के खंड (ग) और खंड (घ) में निर्दिष्ट पदक्षेपियों द्वारा सेवा में अध्यार्थियों की भर्ती कर सकेंगी और जब भर्ती इन खंडों के अधीन की जाती है तथा इस प्रकार भर्ती (क) के अध्यार्थियों की संख्या को उपनियम (1) के खंड (क) में निर्दिष्ट पदक्षेपियों के अधीन भर्ती गई रिक्तियों की प्रतिसंततता के हिसाब में लिया जाएगा;

(ख) नियम 20 के उपनियम (1) में खंड (झ) के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

(झ) सेवा के कनिष्ठ समय वेतनमान में प्रोत्तिहारा नियमित आयोग के परामर्श से केन्द्रीय सिविल सेवा (समूह "व") के ऐसे पात्र वेतन और लेखा अधिकारी समूह "व" में से गुणावगुण पर चयन द्वारा "की जाएगी

जिन्होंने उस पव पर नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् उस श्रेणी में पांच वर्ष अन्यून सेवा की है, जिसमें उनके द्वारा भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग या मूल वेतन और नेत्रा अधिकारी पंगठन में लेखा अधिकारी के रूप में को गई सेवा मिमिलिन है।

(ग) नियम 22 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अवधारित:—

“22 अधेन्डता. (1) सेवा के प्रारंभिक गठन पर सेवा में नियुक्ति किए गए व्यक्तियों का पारस्परिक ज्येष्ठता का क्रम वह होगा जो मार्गीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा में है।

(2) प्रारंभिक गठन के पश्चात् मेवा में नियुक्ति किए गए व्यक्तियों की पारस्परिक ज्येष्ठता नीचे उल्लिखित शिर्दारों के अनुसार अवधारित की जाएगी:—

(क) किसी वर्ष में सेवा के कनिष्ठ समय वेतनमान के पदों में आद्योग द्वारा नियमित प्रतियोगी परीक्षा के आधार पर नियुक्ति किए गए व्यक्तियों का पारस्परिक रैंक वह होगा जो उन का उन का परीक्षा में है जिसके आधार पर उन्हें भर्ती किया गया है। ये व्यक्ति जिन्हें किसी पूर्वार परीक्षा के आधार पर भर्ती किया गया है उन सभी व्यक्तियों से रैंक में ऊपर होंगे जिन्हें किसी पश्चात्कर्त्ता परीक्षा के आधार पर भर्ती किया गया है।

परन्तु यह कि आद्योग द्वारा ली गई प्रतियोगी परीक्षा के द्वारा भर्ती किए गए ऐसे व्यक्तियों की ज्येष्ठता:—

(i) जिनके मामले में नियुक्ति ना प्रमाण रह किए जाने के पश्चात् किया गया है: या

(ii) जिन्हें विधिमान्य कारणों से प्रारम्भ में नियुक्त नहीं किया गया है किंतु उन्हें पश्चात्कर्त्ता परीक्षा या परीक्षायों के परिणाम के आधार पर भर्ती किए गए अन्यविधियों की नियुक्ति के पश्चात् नियुक्ति किया गया है; वह होर्ना जो सरकार द्वारा आधारित की जाए।

(ख) सेवा का सभी श्रेणियों में प्रोत्तिवान द्वारा नियुक्ति किए गए व्यक्तियों की पारस्परिक ज्येष्ठता का अवधारण चयन सूची में उनकी स्थिति के क्रम में किया जाएगा: किसी पूर्वार चयन के आधार पर प्रोत्तिवान व्यक्ति उन व्यक्तियों से रैंक में ऊपर होंगे जो किसी पश्चात्कर्त्ता चयन के आधार पर प्रोत्तिवान किए गए हैं।

(ग) नियम 6 के उपनियम (1) के खंड (ख) के निवंधनों के अनुसार सेवा में नियुक्ति किए गए अधिकारियों को उन वर्ष में प्रतियोगी परीक्षा के द्वारा नियुक्ति अधिकारियों से ज्येष्ठता में दो वर्ष की वरीयता देने का उपबंध करता है इससे सेवा के किसी भी व्यक्ति के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(घ) किसी विशेष वर्ष में प्रतियोगी परीक्षा के द्वारा नियुक्ति किए गए व्यक्तियों और खंड (ग) के निवंधनों के अनुसार विशेष अनुकूल करने के पश्चात् उस वर्ष प्रोत्तिवान कारण ग्रांट अधिकारियों में से पश्चात् किया अधिकारियों को उस वर्ष में सोधे भर्ती किए गए कनिष्ठतम व्यक्ति से, गामूहिक रूप से नीचे रखा जाएगा।

(ङ) नियम 6 के उपनियम (1) के खंड (ग) के निवंधनों के अनुसार ऐसे व्यक्तियों की दण में जिसे प्रतिनियुक्ति पर प्रारम्भ में लिया गया है और तपत्ति सु उनमें से उनकी ज्येष्ठता जिसमें

उसे आमंत्रित किया गया है सोधारण रूप से उस तारीख से की गएजी जिससे उसे आमंत्रित किया जाता है। यदि वह आमंत्रित की तारीख की पहले से हो बही या समतुल्य श्रेणी में किसी नियमित आधार पर अपने मूल विभाग में पद धारण किए हुए हैं तो उनकी ऐसी नियमित सेवा को भी उनकी ज्येष्ठता को नियत करने में इस वर्ष के अधीन रहने हुए कि उसे निम्नलिखित तारीख से ज्येष्ठता दी जाएगी, हिंसाव में लिया जाएगा,—

(थ) वह तारीख जिसको वह प्रतिनियुक्ति पर पव धारण किए हुए हैं।

(ध) उस तारीख से जिसको उसे उसके मूल विभाग में, उसी या समतुल्य श्रेणी में नियमित आधार पर नियुक्त किया गया है, इन में से जो भी पश्चात्कर्त्ता हो।

(च) नियम 6 के उपनियम (1) के खंड (ग) के अंतर्गत आने वाले मामलों में ऐसे अधिकारियों की ज्येष्ठता आयोग के परामर्श से सरकार द्वारा नियत वर्ती जाएगी।

सर्वीकारक ज्ञापन: (भारतीय मिवेन लेखा सेवा (मन्त्री "क") भर्ती (संयोग) नियम, 1992 के नियम 22 के उपनियम (2) के खंड (ग) को भी मूलक सेवा के अनुसार सेवा में नियुक्त किए गए अधिकारियों की, उन वर्ष प्रतियोगी परीक्षा के द्वारा नियुक्त किए गए अधिकारियों से ज्येष्ठता में दो वर्ष की वरीयता देने का उपबंध करता है इससे सेवा के किसी भी व्यक्ति के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

[सं. ए-12018/2/88/एम.एफ.सी.जी.ए/मुप "ए"/813)]

मीरा मवसेना, अपर महालेखा नियमक

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Expenditure)

CONTROLLER GENERAL OF ACCOUNTS

NOTIFICATION

New Delhi, the 24th April, 1992

G.S.R. 434(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Indian Civil Accounts Service (Group 'A') Recruitment Rules, 1977, namely:—

- (1) These rules may be called the Indian Civil Accounts Service (Group 'A') Recruitment (Amendment) Rules, 1992.
- They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
- In the Indian Civil Accounts Service (Group 'A') Recruitment Rules, 1977,—
 - in rule 6, for sub-rule (3) and the proviso thereto the following shall be substituted, namely :—
 - 33-1/3% of the total duty posts in the service excluding leave, training and

probationary reserves shall be filled in by promotion as referred to in clause (b) of sub-rule (1) and the remaining posts by competitive examination as mentioned in clause (a) of sub-rule (1);

Provided that the Government may with the previous approval of the Commission recruit candidates to the service by the methods referred to in clauses (c) and (d) of the sub-rule (1) and when recruitment is made under these clauses, the number of persons so recruited shall count against the percentage of vacancies to be filled under the method referred to in clause (a) of the sub-rule (1).";

(b) in rule 20 in sub-rule (1), for clause (i), the following shall be substituted, namely :—

"(i) Appointment by promotion to the Junior Time Scale of the Service shall be made in consultation with the Commission by selection on merit out of the eligible Pay & Accounts Officers Group 'B' of the Central Civil Accounts Service (Group 'B') who have put in not less than 5 years of service in that grade after appointment thereto on a regular basis, including past service rendered as Accounts Officer in the Indian Audit & Accounts Department or in the Chief Pay & Accounts Officer's organisation.";

(c) for rule 22, the following rule shall be substituted namely :—

"22. Seniority.—(1) The seniority inter se of the persons appointed to the service at the initial constitution of the service shall be the order in which they were placed in the Indian Audit & Accounts Service.

(2) The seniority inter se of the persons appointed to the Service after the initial constitution shall be determined in accordance with principles mentioned below:—

(a) Persons recruited on the result of a competitive examination conducted by the Commission in any year to posts in Junior Time Scale of the Service shall be ranked inter se in the order of merit in which they are placed at the examination on the basis of which they are recruited; those recruited on the basis of an earlier examination being ranked senior to those recruited on the basis of later examination :

Provided that the seniority of persons recruited through competitive examination held by the Commission :—

- (i) in whose case offers of appointment are revived after being cancelled; or
- (ii) who are not initially appointed for valid reasons but appointed after the appointments of candidates recruited on the basis of results of subsequent examination or examinations ;

shall be such as may be determined by the Government

(b) The seniority inter se of persons appointed by promotion to all grades of the Service shall be determined in the order of their position in the select list; those promoted on the basis of an earlier selection being ranked senior to those promoted on the basis of a later selection.

(c) Officers appointed to the service in terms of provisions of clause (b) of sub-rule (1) of rule 6 shall be given two years weightage in seniority vis-a-vis the officers appointed in the same year through competitive examination.

(d) Among the officers appointed through the competitive examination in a particular year and the promoted officers assigned to that year after allowing weightage in terms of clause (c), the latter shall be placed en bloc below the junior-most direct recruit of that year.

(e) In the case of a person who is initially taken on deputation and absorbed later in terms of clause (c) of sub-rule (1) of rule 6, his seniority in the grade in which he is absorbed will normally be granted from the date of absorption. If he has, however, been holding already on the date of absorption the same or equivalent grade on a regular basis in the parent department, such regular service in the grade shall also be taken into account, in fixing his seniority subject to the condition that he will be given seniority from—

- (A) the date he has been holding post on deputation, or
- (B) the date from which he has been appointed on a regular basis to the same or equivalent grade in his

parent department, whichever is later.

(f) In cases falling under clause (d) of sub-rule (1) of rule (6), seniority of such officers will be fixed by the Government in consultation with the Commission".

EXPLANATORY MEMORANDUM (REGARDING RETROSPECTIVE EFFECT OF CLAUSE (c) IN SUB-RULE (2) OF RULE 22 OF THE INDIAN CIVIL ACCOUNTS SERVICE (GROUP 'A') RECRUITMENT (AMENDMENT) RULES, 1992).

Clause (c) in sub-rule (2) of rule 22 of I.C.A.S. (Gr. 'A') Recruitment Rules, 1977 provides for two years weightage in seniority to officers appointed to the service in terms of provisions of clause (b) of sub-rule (1) of rule 6 vis-a-vis officers appointed in the same year through competitive examination. This will not affect the interests of any one in service adversely.

[No. A-12018/2/88/MF. CGA/Gr. 'A'-813]

MIRA SAXENA, Addl. Controller General of Accounts